BSES

ऊर्जा मंत्री ने किया पहले स्मार्ट पब्लिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन

अब बीएसईएस के ग्रिड में चार्ज कीजिए अपना इलेक्ट्रिक वाहन

मोबाइल ऐप आधारित होगा यह सिस्टम

- ऐप बताएगा, नजदीक में कहां पर हैं चार्जिंग स्टेशन
- किस चार्जिंग स्टेश पर खाली है स्लॉट
- एडवांस में करें चार्जिंग के लिए अपना स्लॉट बुक और भुगतान भी

नई दिल्लीः 11 जून। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने आज साउथ एक्स पार्ट–2 स्थित बीएसईएस के ग्रिड में पहले स्मार्ट पब्लिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर विधायक श्री मदन लाल और बीआरपीएल सीईओ श्री अमल सिन्हा के नेतृत्व में बीएसईएस के सीनियर अधिकारी मौजूद थे।

यह अपनी तरह का अनोखा कॉन्सेप्ट है, जो एक मोबाइल ऐप के माध्यम से काम करेगा। *इलेक्ट्रीफाइ* नामक मोबाइल ऐप पर वाहन मालिक ऑनलाइन देख सकते हैं कि उनका नजदीकी चार्जिंग स्टेशन कौन सा है और किस चार्जिंग स्टेशन पर अभी चार्जिंग पोर्ट खाली है या चार्जिंग के लिए कितनी वेटिंग है। यही नहीं, वेटिंग से बचने के लिए वे वहां पर जाने से पहले ही अपने लिए एक चार्जिंग स्लॉट बुक कर सकते हैं और उसके लिए ऑनलाइन भुगतान भी कर सकते हैं। इतनी कवायद इसलिए की गई है ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिकों का समय बचे और चार्जिंग स्टेशन पर जाने के बाद उन्हें कोई दिक्कत न हो। ऑनलाइन अग्रिम भुगतान क्रेडिट/डेबिट कार्ड, ई वॉलेट, यूपीआई और भीम ऐप के माध्यम से किया जा सकता है।

बीआरपीएल, जेनसॉल चार्ज प्राइवेट लिमिटेड और टेकपर्सपेक्ट के बीच साझेदारी में यह स्मार्ट चार्जिंग स्टेशन शुरू किया गया है। साउथ एक्स पार्ट–2 के व्यस्त मार्केट में स्थित बीएसईएस के इस ग्रिड में फिलहाल, एक साथ दो इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज किए जा सकते हैं। लेकिन, जल्द ही चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस वित्त वर्ष में बीएसईएस ऐसे करीब 50 चार्जिंग स्टेशन लगाएगी। यही नहीं, आने वाले कुछ वर्षों के दौरान ऐसे 150 चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे।

एक इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करने में सभी शुल्कों को मिलाकर वाहन मालिकों को अनुमानित तौर पर 160 रूपये से 200 रूपये का खर्च आएगा। इसका अर्थ यह हुआ कि इलेक्ट्रिक वाहन को चलाने में प्रति किलोमीटर 1.60 रूपये से 1.80 रूपये का खर्च आएगा, जो कि पेट्रोल, डीजल और यहां तक कि सीएनजी वाहनों के मुकाबले भी काफी सस्ता है। इस तरह, इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाने वाले लोग हर किलोमीटर पर अच्छी मात्रा में पैसों की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से सीओ2 में भी कमी आएगी और पर्यावरण बेहतर बनेगा।

बीआरपीएल के सीईओ श्री अमल सिन्हा के मुताबिक– अक्षय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर प्रमोट करने के बाद अब हम इलेक्ट्रिक वाहनों और उनकी चार्जिंग को बढ़–चढ़कर प्रोत्साहन देने में जुटे हैं। इससे संबंधित स्ट्रेटजी और फ्रेमवर्क विकसित करने के लिए हम कुछ महत्वपूर्ण स्टेकहाल्डरों के साथ संपर्क में हैं, ताकि ई–मोबिलिटी को प्रोत्साहन देने के लिए एक इकोसिस्टम तैयार किया जा सके। अपनी इसी प्रतिबद्धता के तहत, हम अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल कर रहे हैं। साथ ही, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने के लिए विभिन्न संस्थाओं के साथ साझेदारी भी कर रहे हैं।

बीएसईएस ग्रीन और सस्टेनेबल पहल के लिए प्रतिबद्ध है। टिकाऊ विकास को ध्यान में रखते हुए बीरएसईएस इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिग स्टेशनों, सौर ऊर्जा, बैटरी स्टोरेज, एनर्जी एफिशिएंसी और डीसेंट्रलाइज्ड डिस्ट्रिब्यूटेड जेनरेशन के क्षेत्र में होने वाले तकनीकी विकास को तेजी से अपना रही है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

———